नव भारत

राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

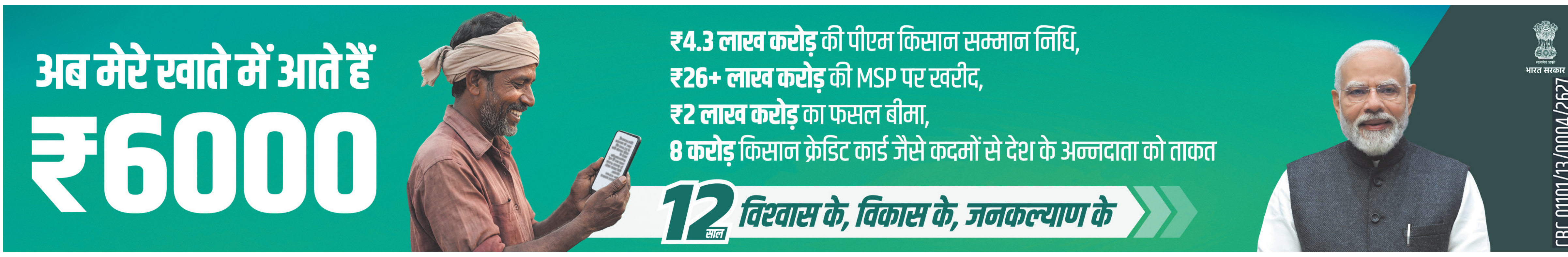

विश्वास और विकास को समर्पित रहा कार्यकाल : मोदी

नई दिल्ली, 09 जून. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि उनकी सरकार के पिछले 12 वर्ष विश्वास, विकास और जन कल्याण को समर्पित रहे हैं. उन्होंने कहा कि 140 करोड़ देशवासियों के आशीर्वाद और सबसे पहले राष्ट्र भावना से प्रेरित होकर युवाओं, महिलाओं और किसान भाई-बहनों को सशक्त बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है. श्री मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा कि अथक प्रयासों के फलस्वरूप ही आज देश ने बुनियादी ढांचे से लेकर डिजिटल क्रांति तक विश्व स्तर पर एक नई पहचान हासिल की है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र में अपने 12 वर्ष पूरे होने के महत्वपूर्ण अवसर पर देशवासियों को समर्पित एक विशेष 'सुभाषितम' संदेश साझा किया है. इस संदेश में उन्होंने राष्ट्र-निर्माण में समर्पण और सेवाभाव को अपनी सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए जन-सेवा और 'राष्ट्र प्रथम' की प्रतिबद्धता दोहराई. प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पण और सेवाभाव हमारी अमूल्य पूंजी रही है. बीते 12 वर्षों में 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना से प्रेरित निरंतर प्रयासों से ही आज हम एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत की ओर तेजी से अग्रसर हैं.

इस अवसर पर उन्होंने एक प्रेरक संस्कृत श्लोक भी साझा किया-

आर्यकर्मणि रज्यन्ते भूतिकर्माणि कुर्वते.
हितं च नाभ्यसूयन्ति स वै पण्डित उच्यते ॥

अर्थ : जो व्यक्ति सदैव श्रेष्ठ एवं सदाचारपूर्ण कर्मों में लगा रहता है, निरंतर उन्नति और लोककल्याण के कार्यों में संलग्न रहता है तथा दूसरों के हितकारी कार्यों का सम्मान करता है, उनसे द्वेष नहीं करता-वही वास्तव में बुद्धिमान कहलाता है.

भारत की वैश्विक स्तर पर नई पहचान बनी

1. **जनकल्याण को समर्पित :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित रहे हैं.
2. **युवा, महिला और किसान सशक्तिकरण :** राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ युवाओं, महिलाओं और किसानों को सशक्त बनाने कई पहल की गईं.
3. **बुनियादी ढांचे में प्रगति :** देश ने सड़क, रेल, हवाई और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में उल्लेखनीय विकास किया.
4. **डिजिटल क्रांति की नई पहचान :** डिजिटल सेवाओं और तकनीकी नवाचारों के जरिए भारत ने वैश्विक स्तर पर नई पहचान बनाई.
5. **विकसित भारत का संकल्प :** प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार सेवा, सुशासन और समृद्धि के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है.

भारत की एक विश्व स्तरीय वॉच के निर्माण पर वेब सिरीज़!

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 9 जून. विधानसभा परिसर में मंगलवार शाम बेहद गहमागहमी और तीखे माहौल के साथ ही नाटकीय घटनाक्रम के बीच राज्यसभा चुनाव के लिए नियुक्त रिटर्निंग ऑफिसर ने कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त कर दिया. इसी के साथ राज्यसभा के लिए भाजपा के तीसरे उम्मीदवार महेश केवट के राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुनाव जीतने का रास्ता साफ हो गया.

अब राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान नहीं होगा. 11 जून को नाम वापसी की तिथि तय है. इसी दिन औपचारिक रूप से तीनों ही उम्मीदवार क्रमशः तरुण चुघ, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट के निर्विरोध चुनाव जीतने की घोषणा की जाएगी. विधानसभा परिसर में दोपहर से शाम तक चार घंटे से भी अधिक समय तक नाटकीय घटनाक्रम चला. भाजपा ने कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन द्वारा राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारी के समय दिए गए शपथ पत्र में उनके खिलाफ तेलंगाना में दर्ज एक प्रकरण की जानकारी नहीं देने को लेकर रिटर्निंग ऑफिसर के सामने आपत्ति दर्ज की. इसे लेकर चुनाव पर्यवेक्षक ने नटराजन को कारण बताओ नोटिस जारी किया था और शाम तक जवाब मांगा गया था. इसे लेकर रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष में सुनवाई हुई, जिसमें भाजपा और कांग्रेस के वकीलों ने अपना-अपना पक्ष रखा. कांग्रेस पक्ष का तर्क था कि ये एफआईआर नहीं बल्कि नोटिस था, नोटिस की जानकारी देना जरुरी नहीं था. वहीं भाजपा पक्ष ने इसे दर्ज प्रकरण करार देते हुए जानकारी छिपाने का आरोप लगाया, जिसे परीक्षण में सही पाया गया.

कटारे और भूरिया ने रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष में जाने से रोका

जब रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष में सुनवाई चल रही थी तब कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे और विक्रांत भूरिया ने जबर्दस्ती कक्ष के अंदर जाने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया. वहीं, मीनाक्षी नटराजन के नामांकन को निरस्त किए जाने के निर्णय के खिलाफ अब कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में है, जहां रिटर्निंग ऑफिसर के निर्णय को चुनौती दी जाएगी.

38 विधायकों को लेकर बैंगलुरू जा रहा विमान रनवे से वापस लौटा : जब ये घटनाक्रम विधानसभा परिसर में चल रहा था, ठीक उसी समय कांग्रेस के 38 विधायक और उनके स्टॉफ और कुछ परिजन सहित लगभग 75 लोग एक चार्टर प्लेन से बैंगलुरू जाने की तैयारी कर रहे थे. फ्लाइट को रनवे से उड़ान भरने की अनुमति मिल चुकी थी, लेकिन जैसे ही ये खबर विधायकों तक पहुंची कि मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त कर दिया गया है, विमान रनवे से वापस लौट आया.